भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-123

उत्तर देने की तारीख-25/11/2024

केन्द्रीय विद्यालयों में क्षेत्रीय भाषाओं की पढ़ाई

†123. श्री अनिल यशवंत देसाई:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या प्रत्येक राज्य में स्थित केन्द्रीय विद्यालयों में क्षेत्रीय भाषाएं अनिवार्य रूप से पढ़ाई जाती हैं;
(ख) क्या महाराष्ट्र के केन्द्रीय विद्यालयों में कक्षा पहली से बारहवीं तक मराठी भाषा पढ़ाई जा रही है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और
(ग) क्या देश में किसी केन्द्रीय विद्यालय में स्थानीय/क्षेत्रीय भाषाएं भी पढ़ाई जा रही हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (ग): केंद्रीय विद्यालय (केवि) मुख्य रूप से शिक्षा का एक समान कार्यक्रम प्रदान करने हेतु रक्षा और अर्धसैनिक कर्मियों, केंद्रीय स्वायत्त निकायों, केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (पीएसयू) और केंद्रीय उच्चतर शैक्षिक संस्थानों (आईएचएल) सहित स्थानांतरित होने वाले केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए खोले जाते हैं। इसलिए, सभी केवि में एकरूपता सुनिश्चित करने हेतु, कक्षा I-V में दो भाषाएँ अर्थात हिंदी और अंग्रेजी पढ़ाई जाती हैं, कक्षा VI-VIII में तीन भाषाएँ अर्थात हिंदी, अंग्रेजी और संस्कृत पढ़ाई जाती हैं और कक्षा IX-X में दो भाषाएँ अर्थात अंग्रेजी और हिंदी/संस्कृत पढ़ाई जाती हैं।

केंद्रीय विद्यालय अपने अधिदेश के अनुसार शिक्षा की एक समान योजना का अनुपालन कर रहे हैं, जिसमें समान पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तकें और भाषा शामिल है, ताकि छात्रों को, जब वे अपने माता-पिता के स्थानांतरित होने पर एक केवि से दूसरे केवि में जाते हैं तो कठिनाई न हो। तथापि, केंद्रीय विद्यालयों के लिए शिक्षा संहिता के अनुच्छेद 112 के अनुसार, 'क्षेत्रीय भाषा/मातृभाषा के शिक्षण की अतिरिक्त व्यवस्था' की जाएगी, बशर्ते कि 15 या उससे अधिक छात्र इसे चुनने के लिए तैयार हों। मराठी सहित स्थानीय/क्षेत्रीय भाषाओं को पढ़ाने के लिए अस्थायी शिक्षकों को निअनुबंधित किया जाता है, बशर्ते मांग हो और पर्याप्त संख्या में छात्र उपलब्ध हों।

*****